

---

# Rasakulya Dashakam

---

## रसकुल्यादशकम्

---

### Document Information



---

Text title : Rasakulya Dashakam

File name : rasakulyAdashakam.itx

Category : devii, pradIptakumArananda, devI, nadI, dashaka

Location : doc\_devii

Author : (Copyright) Pradipta Kumar Nanda, Kendrapara, Orisa pknanda65 at gmail.com

Transliterated by : Pradipta Kumar Nanda

Proofread by : Pradipta Kumar Nanda

Acknowledge-Permission: (Copyright) Pradipta Kumar Nanda

Latest update : September 3, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 5, 2021

*sanskritdocuments.org*

---



रसकुल्यादशकम्



उत्कलजननि पदवन्दनं  
करोमि भारति रक्ष नन्दनं  
मसृणघुसृणतिलकच्छटा  
कुसुमनिकरखचितशटा हे  
गरीयसी वरीयसी हे

वर्णमालाधरि शारदे वरदे सत्त्वरूपा पौर्णमासी हे ॥ १ ॥

भगवती देवी मङ्गला काली  
तारिणी चण्डिका नृमुण्डमाली  
जागुलायी माल-पथरक्षणी  
अनन्तकुमारी देवी-गोसाणि हे  
पद्मावति महायानी हे

प्रकृतिपरमानादविन्दुमयि सत्यसनातनी मौनी हे ॥ २ ॥

विषयवासनामत्तबालिशः  
रौमि मूढमतिक्षतकुलिशः  
विपदि सम्पदि मधुरनाम  
भजामि गच्छामि तव श्रीधाम हे  
अज्ञाननाशिनि तारे हे

तृषातुरजनमानससुखदशीतलसलिलधारे हे ॥ ३ ॥

शरदि शारदि सिंहवाहिनी  
महिषासुरमारणकारिणी  
दशभुजागौरी दुर्गा माधवी  
नन्दगोपगृहजाता यादवी हे  
वसन्ते वासन्तीलोभे हे

सुरथसमाधिभक्तिविलासिनी विश्वशान्तिमयि शोभे हे ॥ ४ ॥

ऐङ्करी हीङ्करी क्लीङ्करी बीजा  
नवार्णललिता प्रकृतिरजा  
पूर्णपमामयी चन्द्रचन्द्रिका  
परमेश्वरीति परिपालिका सा  
रसकुल्यामन्दाकिनि हे

समयानुकूला भावप्रकाशिका अन्तरङ्गसौदामिनि हे ॥ ५ ॥

दुर्गतिनाशिनी दुर्गाभवानी  
सन्तोषी वायाणी विरजाजानी  
दशमहाविद्या नामविरव्याता  
दुरितदलिनी सुखचर्चिता सा  
महामाया महेश्वरि हे

कुलदेवी तारा महासरस्वति सकलनिगमशूरी हे ॥ ६ ॥

श्रीकनकपुर सुरसुन्दरी  
कोटिचन्द्रभासविबुधनारी  
सप्तस्वरवीणानादमहिमा  
श्वेतहंसयानगतिषुषमा या  
कविभावविशारदे हे

सारला सरला विरले योगिनी कवयन्ति पदे पदे हे ॥ ७ ॥

कविकालिदासभाषामाधुरी  
सारलादासश्रीमुखवैखरी  
रसगङ्गाधरी विपुलच्छन्दा  
झङ्कडवासिनी परमानन्दा सा  
अविस्मरणीया देवि हे

मूर्खोऽपि पण्डितः करुणाकिङ्करो भवति स महाकविः हे ॥ ८ ॥

चित्तचिन्तामणिमानसशान्तिः  
गुणिगणभावविनोदकान्तिः  
नवरसमयी कवितावल्ली  
स्वादिष्टपायसपूरितस्थाली हे  
अहो शब्दमयि गीते हे

सर्वविभूषणभूषितशारदी सुकोमलमयी सिंते हे ॥ ९ ॥

प्रणवमयूखमणिब्रह्माणी  
विश्वपरिव्याप्तनिगमवाणी  
करुणानिर्झरचारुकौमुदी  
शाब्दिकरञ्जिनी गीतिकौशिकी त्वं  
चतुष्पदीमन्दाकिनि हे

चतुर्वर्गकलावैभवशेखरी काव्यसुखप्रसारिणी हे ॥ १० ॥

इति नन्दप्रदीप्तकुमारविरचितं रसकुल्यादशकं सम्पूर्णम् ।

- अध्यापको नन्दप्रदीप्तकुमारः केन्द्रापडा, ओडिशा

Encoded, proofread, and composed by Pradipta Kumara Nanda

---

—  
*Rasakulya Dashakam*

pdf was typeset on June 5, 2021

—  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

